



Chapter- 8 | PART-1

OVER THE COUNTER [OTC] MEDICATIONS

जुड़िए हमारे साथ Type- DPINDIA और भेज दीजिए 9389516306



Content

- ❑ Introduction
- ❑ Need & role of pharmacists in OTC medication dispensing
- ❑ OTC medications in India, counselling for OTC products

□ Introduction परिचय

- Over-the-counter (OTC) medications are medications that can be purchased without a prescription from a healthcare provider.

ओवर-द-काउंटर (ओटीसी) दवाएं ऐसी दवाएं हैं जिन्हें स्वास्थ्य सेवा प्रदाता से प्रिस्क्रिप्शन के बिना खरीदा जा सकता है।

- They are available for use by the general public and are typically used to treat common ailments and health conditions

वे आम जनता के उपयोग के लिए उपलब्ध हैं और आमतौर पर सामान्य बीमारियों और स्वास्थ्य स्थितियों के इलाज के लिए उपयोग किए जाते हैं

□ Some examples of OTC medications

ओटीसी दवाओं के कुछ उदाहरण

- Pain relievers दर्द निवारक
- Antihistamines एंटीहिस्टामाइन्स
- Cold and cough medications सर्दी और खांसी की दवाएँ
- Digestive aids पाचन सहायक



❑ Need of pharmacists in OTC medication dispensing

ओटीसी दवा वितरण में फार्मासिस्टों की आवश्यकता

- Improved access to treatment of health problem.

स्वास्थ्य समस्या के उपचार तक बेहतर पहुंच।

- The treatment is cheaper and quicker.

इलाज सस्ता और तेज है.

- Unnecessary hospital visits are avoided and pertinent expenses are saved. Pharmacist using his professional knowledge, ensuring rational use of OTC medication may prove useful in countries where there is shortage of medical practitioners

अनावश्यक अस्पताल के दौरों से बचा जाता है और प्रासंगिक खर्चों से बचा जाता है। फार्मासिस्ट अपने पेशेवर ज्ञान का उपयोग करके, ओटीसी दवा का तर्कसंगत उपयोग सुनिश्चित करना उन देशों में उपयोगी साबित हो सकता है जहां चिकित्सा चिकित्सकों की कमी है।

❑ Role of pharmacists in OTC medication dispensing

ओटीसी दवा वितरण में फार्मासिस्टों की भूमिका

- For a pharmacist to advice best actions medication, he must have knowledge of drugs, disease state and the patient.

एक फार्मासिस्ट को सर्वोत्तम क्रिया वाली दवा की सलाह देने के लिए, उसे दवाओं, रोग की स्थिति और रोगी के बारे में जानकारी होनी चाहिए।

- He must interact with patient to identify the possible cause of patient's problem and its severity. For effective dialogue between patient and pharmacist, certain facilities in the pharmacy are needed so also pharmacist must possess certain skills.

उसे रोगी की समस्या के संभावित कारण और उसकी गंभीरता की पहचान करने के लिए रोगी के साथ बातचीत करनी चाहिए। रोगी और फार्मासिस्ट के बीच प्रभावी संवाद के लिए फार्मसी में कुछ सुविधाओं की आवश्यकता होती है, इसलिए फार्मासिस्ट के पास कुछ कौशल भी होने चाहिए।

- Pharmacist should give time to patient to understand him and his health problem.

फार्मासिस्ट को मरीज को और उसकी स्वास्थ्य समस्या को समझने के लिए समय देना चाहिए।

- Pharmacist shall respond to the symptoms of the patient, gathering adequate, reliable information from patient using above mentioned skills

फार्मासिस्ट उपरोक्त कौशल का उपयोग करके रोगी से पर्याप्त, विश्वसनीय जानकारी एकत्र करके रोगी के लक्षणों पर प्रतिक्रिया देगा



□ The response can be described in four sequential steps as follows

प्रतिक्रिया को निम्नानुसार चार क्रमिक चरणों में वर्णित किया जा सकता है

- Referral to physician चिकित्सक के पास रेफरल
- Need of medication दवा की जरूरत
- Selection of appropriate drug उपयुक्त औषधि का चयन
- Advice how to use drug दवा का उपयोग कैसे करें सलाह दें



जुड़िए हमारे साथ Type- DPINDIA और भेज दीजिए 9389516306

❑ OTC medications in india भारत में ओटीसी दवाएं

- In India, over-the-counter (OTC) medications are widely available and commonly used by the general public for self-treatment of minor ailments and health conditions

भारत में, ओवर-द-काउंटर (ओटीसी) दवाएं व्यापक रूप से उपलब्ध हैं और आम जनता द्वारा छोटी-मोटी बीमारियों और स्वास्थ्य स्थितियों के स्व-उपचार के लिए आमतौर पर इसका उपयोग किया जाता है।

- Some examples of OTC medications in India include pain relievers, cough and cold medications, antacids, and anti-allergy medications.

भारत में ओटीसी दवाओं के कुछ उदाहरणों में दर्द निवारक, खांसी और सर्दी की दवाएं, एंटासिड और एलर्जी-रोधी दवाएं शामिल हैं।

- The regulatory framework for OTC medications in India is overseen by the Central Drugs Standard Control Organization (CDSCO), which is responsible for ensuring the safety, efficacy, and quality of pharmaceuticals in India.

भारत में ओटीसी दवाओं के लिए नियामक ढांचे की देखरेख केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) द्वारा की जाती है, जो भारत में फार्मास्यूटिकल्स की सुरक्षा, प्रभावकारिता और गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए जिम्मेदार है।

- In addition, pharmacists play an important role in advising patients on the proper use of OTC medications and checking for potential interactions with other medications.

इसके अलावा, फार्मासिस्ट रोगियों को ओटीसी दवाओं के उचित उपयोग पर सलाह देने और अन्य दवाओं के साथ संभावित बातचीत की जांच करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।



□ Counseling for OTC products ओटीसी उत्पादों के लिए परामर्श

- Counseling for over-the-counter (OTC) products is an important part of the role of pharmacists and healthcare providers. Here are some key points that may be covered during counseling for OTC products

ओवर-द-काउंटर (ओटीसी) उत्पादों के लिए परामर्श फार्मासिस्ट और स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं की भूमिका का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। यहां कुछ प्रमुख बिंदु दिए गए हैं जिन्हें ओटीसी उत्पादों के लिए परामर्श के दौरान शामिल किया जा सकता है।

- **Indication and dosage:** The pharmacist or healthcare provider should explain the indication for the product and the recommended dosage based on the patient's age, weight, and medical history.

संकेत और खुराक: फार्मासिस्ट या स्वास्थ्य सेवा प्रदाता को रोगी की उम्र, वजन और चिकित्सा इतिहास के आधार पर उत्पाद के संकेत और अनुशंसित खुराक की व्याख्या करनी चाहिए।

- **Potential side effects:** Patients should be informed of potential side effects associated with the product and advised on how to manage them.

संभावित दुष्प्रभाव: मरीजों को उत्पाद से जुड़े संभावित दुष्प्रभावों के बारे में सूचित किया जाना चाहिए और उन्हें प्रबंधित करने की सलाह दी जानी चाहिए।



MASTER NOTES FOR D.PHARMA

**2ND YEAR
STUDENTS**

LINK IS
GIVEN IN
DESCRIPTION

**SET OF 6 MODULES
FOR 2ND YEAR STUDENTS**



**CLICK TO
JOIN NOW**



CALL US NOW
6395596959, 8006781759

- **Precautions and warnings:** Patients should be advised on any precautions or warnings associated with the product, such as avoiding certain activities or foods while using the product.

सावधानियां और चेतावनियां: मरीजों को उत्पाद से जुड़ी किसी भी सावधानियों या चेतावनियों के बारे में सलाह दी जानी चाहिए, जैसे उत्पाद का उपयोग करते समय कुछ गतिविधियों या खाद्य पदार्थों से परहेज करना।

- **Interactions with other medications:** Patients should be advised on potential interactions between the product and other medications they may be taking, including prescription medications, OTC medications, and supplements.

अन्य दवाओं के साथ अंतःक्रिया: मरीजों को उत्पाद और उनके द्वारा ली जा रही अन्य दवाओं के बीच संभावित अंतःक्रिया के बारे में सलाह दी जानी चाहिए, जिसमें डॉक्टर के पर्चे वाली दवाएं, ओटीसी दवाएं और पूरक शामिल हैं।

- **Duration of use:** Patients should be advised on the recommended duration of use for the product, and when to seek medical attention if symptoms persist or worsen.

उपयोग की अवधि: मरीजों को उत्पाद के उपयोग की अनुशंसित अवधि के बारे में सलाह दी जानी चाहिए, और लक्षण बने रहने या बिगड़ने पर चिकित्सा सहायता कब लेनी चाहिए

□ Important question

- 1) What do you understand by OTC medication. [pharmacy India module-5 page no.58]
- 2) Discuss the role of pharmacists in OTC medication [pharmacy India module-5 page no. 58-59]
- 3) What are the counselling for the OTC medication .[pharmacy India module-5 page no.59]
- 4) What are the needs pf pharmacists in OTC medication .[pharmacy India module-5 page no.58]

FOR LATEST D PHARMA 

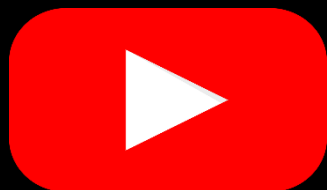
UPDATES

जुड़िए **PHARMACY INDIA**

के साथ

Subscribe करें

PHARMACY INDIA LIVE



 **WhatsApp**

9389516306

